यद्रा ॥ महत्व महत्व

1. hon. to exist; to be often ॰ {SPP} bhavet ▷ జ్రౖ' దే : జ్ఞెన' শ্রান্থ না There are no great rivers in India. • ন্ধ্রুর' শ্রান্থ শ্রুল' ক্রু' ক্রিন্থ শ্রুল' ক্রু' ক্রিন্থ শ্রুল' ক্রু' বিশ্বন্ধি শ্রুল' ব্রুলি শ্রুল' ব্রুলি শ্রুল' ব্রুলি শ্রুল' ব্রুলি শ্রুলি শ্রুল' ব্রুলি শ্রুলি শ্রুলি

AUX.:

मार्द्रायाम् (त्रायाम् पुरःश्चेम ॰ perform., abil. to abide ॰ दे. द्रमा स्वाया स्वरः श्चेरः श्चेम May it be possible for bodhisattvas to abide in all of these [realms]! ⟨SUS⟩

colloc.:

2. to be possible; to be known (as); [auxiliary verb] ం {BSS} prajñāyate ం ౸ర్రేల్లే ఇవుర్గార్లో క్లోనా. ఆర్యాహ్హిమర్లు మె ఇవుర్గార్లో All the compositional factors being empty, how is it possible that actions do not disappear? {BSS}

यद्रिया ॥ यद्या यद्या

to be widespread; to be diffuse

याद्या । ४ वाद्या वाद्या वाद्या

arch. to tell; to explain; to inform ▷ আহা্র্

지국 및 그 구 고 됩니까 크로 국제 취취 및 고 토리 지국 * 윤리 두 피 리지 * 현 · 여루 ' 우고 고 한 제 · 여리 여러 피 두 제 · 디고 ' 달리 Having completely accomplished that task requested, with very gentle words, [you] should inform him, saying "it has be done just so." {AGP-T}

या है। VI वहिला वही वहिला

1. to attach importance (to); to have admiration (for) \circ {MV} gurutā \circ 奏うべつうううだい Attaching importance to [material] gain, and lacking compassion, ... {MV} 2. to boil; to thicken

यार्ट्रा, ग बार्ट्रा बार्ट्रा

to long (for); to yearn (for); to burn with desire (for) \circ {Negi} lālasā; utkanṭhā \circ নৃ'ব্দ' নানুদ'ন বেদ্দ্দিন ক্মা'' Having seen this longing for [her] child, ...

ATTY :

या द्वरा । वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य

to torment; to heat; to be tormented; to be anxious □ (√tap): {Negi} ātāpanam; {MSA} upatapta; tāpana; {KD} tāpāya; {PU} pīḍa; {MSA} dāha ▷ 주 ' 라ুম' মুলা' নম্থন' ইমা' লাভ কে suffering. {BCA} • এম' লাভ দি ' তেওঁ লাভ কি suffering. {BCA} • এম' লাভ দি ' তেওঁ লাভ কি আমি দি দি বিল্লা কি ভিব্ন দি বিলা কি ভিব্ন দি বিল্লা কি ভিব্ন দি বিল্লা